



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

सिरसा टूडे

दिनांक

1.09.2021

पृष्ठ संख्या

कॉलम

--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : प्रो. काम्बोज

सिरसा | सिरसा टूडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जगेश्वर दिस्तर के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने किसानों से आझान किया कि उन्हें अपनी आमदानी में इनामों कारने के लिए किसानों को उपरांतों के मूल्य संवर्धन के प्रति जगह लगा होगा।

वे कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में अधिकारी एक किसान गोष्ठी में बौद्धिगीय बात रहे

ये। कार्यक्रम का आयोजन विष्वारशिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया था। मुख्यालिखित ने कहा कि किसान वैज्ञानिक का अद्वृत रिसात है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रयोगशाला भी हैं। कृषि वैज्ञानिक छात्र विकासित की गयी वैज्ञानिक का सही आवकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुभाव उम्में संशोधन किया जाता है ताकि अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके।



किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ नुडकर सरकार किसानों के हित के लिए नित नई कल्याणकारी योजनाएं लाया कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक सकारात्मक लाभ मिल सके।

से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परसाना सूखी जीवनावली संशोधन की वजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधीकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदानी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए, किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सकते हैं और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुष्प्रभाव व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा यहीं, बाजार व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और खरोजात्मक स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लागत अपनानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उत्पत्ति खेतों पुरुषक का भी विमोचन किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
हरियाणा वाटिका

दिनांक पृष्ठ संख्या

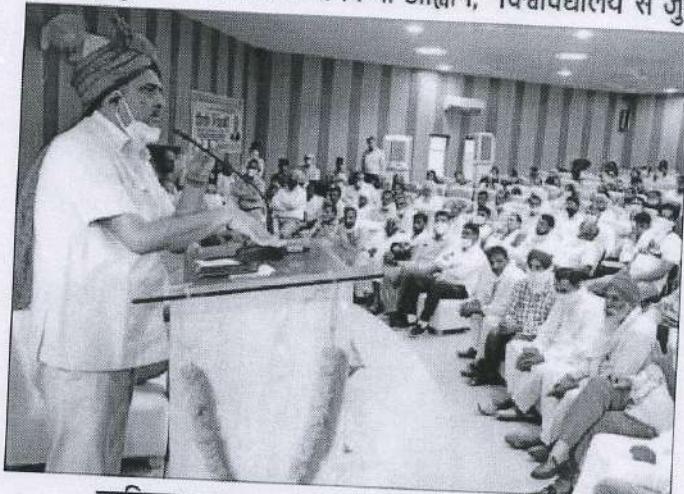
2.09.2021 --

कॉलम

एनसीआर हरियाणा

किसान वैज्ञानिक सोच से बढ़ें आगे, आधुनिक तकनीकों को अपनाएँ: प्रोफेसर काम्बोज

एचएयू कुलपति ने किसानों से किया आहान, विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं अधिक से अधिक लाभ



वाटिका न्यूज़

हिसार। किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अनन्दाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन तीनों में

सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अनन्दाता का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जगेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

मुख्यातिथि ने किसानों से आहान किया कि अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना हागा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढ़कर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यातिथि ने कहा कि महिला व पुरुषों को कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
हिसार टुडे

दिनांक पृष्ठ संख्या
2.09.2021 --

कॉलम
--

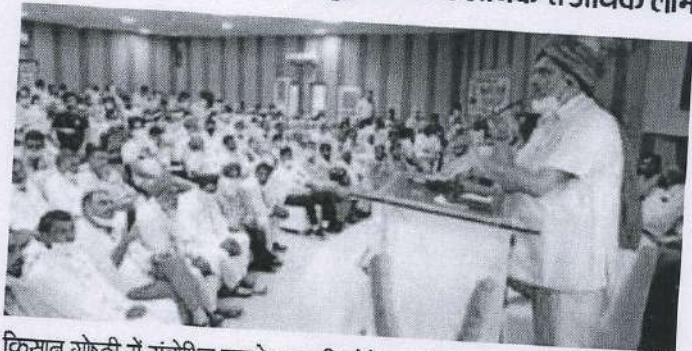
किसान वैज्ञानिक सोच से बढ़ें आगे, आधुनिक तकनीकों को अपनाएं : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू कुलपति ने किसानों से किया आह्वान, विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं अधिक से अधिक लाभ

टुडे न्यूज | हिसार

किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अन्नदाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन तीनों में सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्नदाता का भला हो सके।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढ़कर किसानों की मदद करने की



किसान गोष्ठी में संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के विदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर ही जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारियों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास की फसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सर्व क्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अनुल ढींगड़, कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुनील बैलीवाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ. ओमप्रकाश कांबोज, डॉ. सुनील ढांडा सहित अनेक वैज्ञानिक, क्षेत्र के कई गवंगों के किसानों ने हिस्सा लिया।

अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आंकलन केवल

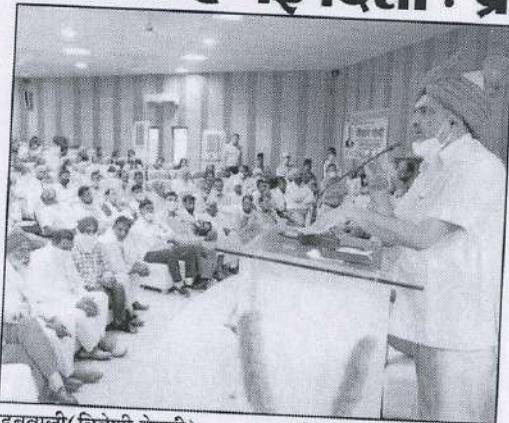
किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
त्रिवेणी केसरी	2.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज



डबवाली(त्रिवेणी केसरी)

(सिरसा)चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जगेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से आह्वान किया कि उन्हें अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा।

वे कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बौद्धर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

मुख्यातिथि ने कहा कि किसान वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठ सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रेश व केंद्र सरकार

किसानों के हित के लिए नित नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परंपरागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदनी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गैंड, बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उत्तर खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक:

डॉ. रामनवास छांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निवान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने किसान वीफसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सम्भवित क्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल लौगड़ा, कृषि विज्ञान केंद्र के इच्चार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुनील वैनीचाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ. ओमप्रकाश काम्बोज, डॉ. सुनील छांडा सहित अनेक वैज्ञानिक, डेवेंद्र के कई गांवों के किसानों ने हिस्सा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अमर उजाला सिरसा

दिनांक

2.09.2021

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

अभियान

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान गोष्ठी में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज द्वारा

आमदनी में इजाफा करने के लिए उत्पादों के प्रति जागरूक हों किसान

संवाद न्यूज एंजेनी

मिरसा। किसानों को अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए उत्पादों के प्रति जागरूक होना होगा। उक्त कार्यक्रम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज द्वारा कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज द्वारा किसानों को अपनी आमदनी एक किसान गोष्ठी में बतायी भूमिका खेल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया था।

उन्होंने कहा कि किसान यैज्ञानिक का अट्टू निराम है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणाप्राप्ति भी है। कृषि वैज्ञानिक हार्य विकासित की गई तकनीक का सही अप्रकल्प के बिना किसान द्वारा किसानी की कर सकता



किसानों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

है। उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है, ताकि अधिक से अधिक किसान ज्ञान से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा यैज्ञानिकों में अवसर किसानों को इसका लाभ मिल सके। खेजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रेरणा ये केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नई कल्याणकारी योजनाएँ लायूँ कर रही हैं, ताकि किसानों का अधिक से एक नई दिशा निर्दित है।

विश्वविद्यालय के सभ गुडकर

किसान ज्ञान से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा यैज्ञानिकों में अवसर किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए नई कल्याणकारी योजनाएँ लायूँ कर रही हैं, ताकि किसानों का अधिक से

किसानों के लिए सदैव तत्पर हैं वैज्ञानिक

विश्वविद्यालय के लिए वैज्ञानिकों से आवान विद्या कि कैसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी सम्बन्ध के निवान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस्के. रमेशन ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दो जैन खली समझ व फैटेग्राफों को लेकर को गई सिरापारिशों का विश्व ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अमिल यादव, डॉ. ओमेंद्र संगवान, डॉ. कन्दूल महिला, डॉ. अंजन जाईक व डॉ. मनोदेव सिंह ने कपास को कपास की अधिक ऐवेंगर हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सभी क्रियाओं, कैम्पारियों व कीटों के प्रति जागरूक करने पूरे अपने लक्ष्यानां दिए।

अधिक फायदा हो सके। यास ही फासल विविहोकरण की अपनाना आज के समय सेयर करने के अलावा में, चाउरा यही मांग है। इससे न केवल आमदनी अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का खड़ेगी बहिर्भूत पर्यावरण संरक्षण भी होगा। विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोगार स्थापित कर लिए किसान उत्पादक समूह बनाने के लिए। काम करना होगा ताकि सभी को एक मार्केट स्थापित कर सीधे शहरों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया

जा सके। किसान दूध व उत्पक्ष उत्पाद विविहोकरण की अपनाना आज के समय सेयर करने के अलावा में, चाउरा यही मांग है। इससे न केवल आमदनी अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का खड़ेगी बहिर्भूत पर्यावरण संरक्षण भी होगा। विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोगार स्थापित कर सकते हैं।

इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के द्वितीय के लिए निराम इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा सिरसा	2.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : कंबोज

सिरसा, 01 सितंबर (दिनेश कौशिक) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जगेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने किसानों से आळहन किया कि उन्हें अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। वे कृषि विज्ञान केंद्र में बुधवार को आयोजित किसान गोष्ठी में बतार मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई



किसान गोष्ठी में लोगों को संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज।

तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई

दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से

जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गैंग, बाजार व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उत्तर खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढाँगड़ा, कृषि विज्ञान केंद्र के इचार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुनील बैनीवाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ. ओमप्रकाश कंबोज, डॉ. सुनील ढांडा सहित अनेक वैज्ञानिक, क्षेत्र के कई गांवों के किसानों ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

पल पल न्यूज

दिनांक

2.09.2021

पृष्ठ संख्या

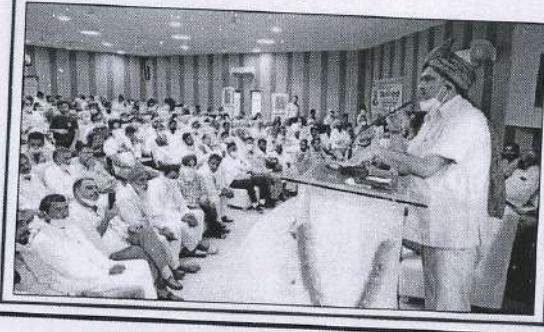
--

कॉलम

--

किसान वैज्ञानिक सोच से बढ़ें आगे, आधुनिक तकनीकों को अपनाएं: काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 1 सितंबर। किसान फसलों की अधिक प्रैदातार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेगी तब तक अन्वदाता का भला नहीं हो सकता। इसलिए, इन तीनों में सामर्जस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्वदाता का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंगेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढ़कर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्पादन हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही अंकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यातिथि ने कहा कि महिला व पुरुषों को कधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। विश्वविद्यालय के साथ जुड़े किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा न्यूज़

1.09.2021

--

किसान वैज्ञानिक सोच से बढ़ें आगे, आधुनिक तकनीकों को अपनाएँ: प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदारी बढ़ावाएं के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे चढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपाराहन अपनी आप में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव वैज्ञानिक सोच की तकनीक और साकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगे तब तक अवश्यकता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन दोनों में सामेज़स्क बनाना बहुत जल्दी है ताकि अवश्यकता का भला हो सके। ये विचार चौथी चरण न्यूज़ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गृह अभियंत्र हिसार के कृष्णपति प्राफेसर डॉ. और काम्बोज ने कहे। कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यालिंग ने किसानों से आङ्गन किया कि अपनी आमदारी में



इजाफा करने के लिए किसानों को है और उसी अनुभाव उसमें संसोधन उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति किया जाता है ताकि अधिक से अधिक जागरूक होंगा। उन्होंने वैज्ञानिकों किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही सोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यालिंग ने कहा कि किसानों का उद्यान ही सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अदृष्ट रिश्ता है और ये दोनों एक दूसरे के परिणामस्त्री ही हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का महीने के अधीक्षण के बीच विद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा विद्यालय के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ.

केंद्र सरकार किसानों के लिए किसानों के लिए निज नई कलागांकताएं योजनाएं लाए कर रहे हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। किसान दुध व उत्सव के उत्पाद बैंचाद हैं ताकि करने के अवसरा गैंग, वार्षा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण मिलायें कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के लिए नियंत्रक वासिल करने के लिए अधिक वैदावार हासिल करने के लिए अपनाएं जाने वाली समय किशाज औभारियों व कोटों के प्रति जारी रखना की ज़रूर खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

किसानों के लिए सदैव तत्पर है वैज्ञानिक

एवं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय समय पर जाने वाली सलाह व कौटुम्बाशकों व लेकर की गई मिजाजिशों का विरंग ध्यान रखना चाहिए।

इस दौरान डॉ. अनिल याद डॉ. ओमेंद्र मांगवान, डॉ. करम मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व उमनीयोंने ने कपास की फसल व अधिक वैदावार हासिल करने के लिए अपनाएं जाने वाली समय किशाज औभारियों व कोटों के प्रति जारी रखना की ज़रूर खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

किसानों के लिए कूलपैन के औरसदी व अनुल दीगड़ी, कृषि विज्ञान केंद्र इंचार्ज डॉ. एमेंद्र जाखड़, डॉ. सुनी वैनीवाल, डॉ. अनिल मेहता, हॉ. ओमप्रकाश कांवोज, डॉ. सुनील हॉ. महित अनेक वैज्ञानिक, क्षेत्र के विद्यार्थी विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

विवेचक सिरसा

1.09.2021

--

सांघर्ष दैनिक विवेचक

बुधवार, 1 सितम्बर 2021

पेज नंबर 3

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू कुलपति ने किसानों से किया आह्वान, विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं अधिक से अधिक लाभ

मिरसा (विवेचक) चौधरी चरण सिंह वैज्ञानिक का अदृष्ट रिश्ता है और वे दोनों हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं युवा एक दूसरे के ऐलानस्थ्रोत भी हैं। कृषि नियंत्रक हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से आह्वान किया कि का सही आकलन के बावजूद किसान ही कर सकता है और उसे अपनी आपदानी में इजाफा करने के लिए किसानों को उदयान के मूल संवर्धन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक के प्रति जागरूक होना होगा। वे कृषि किसानों को इनका लाभ मिला सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई गोष्ट में जरूर सुखानाहिं बोल रहे थे। दिशा मिलती है। विश्वविद्यालय के साथ कार्यक्रम का आयोजन विस्तर सिख निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यालिंग ने कहा कि किसान व सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के विवाद के बावजूद किसान ज्ञाना से संबंधित विवाद का अवश्यक अपनाना आज के समय की मांग है जिसमें न केवल अपनी बड़ी विकास परायी जुड़कर किसान ज्ञाना से ज्ञाना लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में को बढ़ावे के लिए किसान उद्यादक समूह अवसर बोजकर समाज में बदलाव ला वनाकर काम करने होंगा ताकि सर्व की एक मार्फत स्थापित कर सोध ग्राहकों द्वारा ज्ञान के साथ मिलते हों। किसानों का अधिक लाभ लागू कर रही है ताकि किसानों का अधिक से अधिक लाभदाता लाभ उद्यादन लाभित करने के लिए परंपरागत उद्यादन लाभित करने के लिए विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण लाभित करने के सकते हैं और खेतों को बजाय सार्वजनिक खेतों पर व्याप देना होगा। साथ ही फसल विविधानकरण को देना होगा। किसानों के लिए अपनाना आज के समय की मांग है जिसमें नियंत्रक इम तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता है। इन दोनों बीटी नरसा की उठत अनिल जायदा डॉ. मनवेल रिंग ने कपास खेती पुस्तक का भी विमोचन किया था। को फसल की अधिक ऐदावर लाभित करने किसानों के लिए सर्वेक्षण लाभ लाभित करने के लिए अपाई जाने वाली सभ्य कियाजी, विस्तार शिक्षा नियंत्रक डॉ. गणेशवार द्वारा विमारियों व बीटी के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए।

जुड़ा जा रहे और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान द्वारा व उद्योग उद्यादन के अलावा गैरु, बाजार व अन्य किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक विवाद करने के अलावा गैरु, बाजार व अन्य फसलों के उदयान अन्यत्र जाने वाली सभ्यता व कौटुम्बिक किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक लाभदाता हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक लाभदाता हो सकते हैं। इसके अलावा विवाद करने के लिए विश्वविद्यालय के अलावा गैरु, बाजार व अन्य फसलों के उदयान अन्यत्र जाने वाली सभ्यता व कौटुम्बिक किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक लाभदाता हो सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लाभान्वित किसानों के लिए के अपनाना आज के समय की मांग है जिसमें नियंत्रक इम तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता है। इन दोनों बीटी नरसा की उठत अनिल जायदा डॉ. मनवेल रिंग ने कपास खेती पुस्तक का भी विमोचन किया था। को फसल की अधिक ऐदावर लाभित करने किसानों के लिए सर्वेक्षण लाभ लाभित करने के लिए अपाई जाने वाली सभ्य कियाजी, विस्तार शिक्षा नियंत्रक डॉ. गणेशवार द्वारा विमारियों व बीटी के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
सिरसा केसरी

दिनांक पृष्ठ संख्या
1.09.2021 --

कॉलम

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : प्रो. बीआर काम्बोज

सिरसा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जगेश्वर हिस्पर के कुलपति प्रोफेसर डॉ. बी.आर. काम्बोज ने किसानों से आह्वान किया कि उन्हें अपनी अपनी में इनाफ़ करने के लिए किसानों को उदादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा।

वे कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बौद्धर मुख्यातिर्थ बोलते हों थे। काम्बोज का आयोजन विस्तार शिखा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिर्थ ने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक दूसरे के प्रेरणाप्रदाता भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और



उसी अनुसार उसमें सशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इनका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है।

विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठ सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र

उपायुक्त न कहा। कि उपर्युक्त विषय से लगातार अभ्यास एवं अचूक विश्वविद्यालय समय-समय पर उनकी समर्थन के लिए जुटे रहे। अनुसारन निदेशक डॉ. एस के सहराओल ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई रिपोर्टों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इन दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाहुड व डॉ. मनमहेन सिंह ने क्षणस की फसल की अधिक पेदवार छासिल करने के लिए अनाई जाने वाली सर्व कियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए।

किसानों के लिए सदैव तत्पर है वैज्ञानिक

विस्तार शिखा निदेशक डॉ. रामनिवास दावा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समर्थन के लिए जुटे रहें। अनुसारन निदेशक डॉ. एस के सहराओल ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई रिपोर्टों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इन दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाहुड व डॉ. मनमहेन सिंह ने क्षणस की फसल की अधिक पेदवार छासिल करने के लिए अनाई जाने वाली सर्व कियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए।

समय की मात्र है जिससे न केवल अन्य आपदानी बढ़ोंगी वैज्ञानिक परावरण मरणश्वर भी होगा। किसानों को अपने उदादों को बेचने के लिए किसान उद्योदक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं को एक मार्केट किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाए सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र

अलावा गेहूं, बाजरा व अन्य आपदानी बढ़ोंगी वैज्ञानिक परावरण फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के लिए निरंतर इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। इस दौरान बीटी नरमा की उन्नत खेती पुरुषक का भी विमोचन किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
राम टाइम्स न्यूज	1.09.2021	--	--

'जल संरक्षण' थीम पर आयोजित किसान मेला 8 व 9 को



हिसार (रा.न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ऑफलाइन माध्यम से दो दिवसीय किसान मेले का आयोजन आगामी 8 व 9 सितंबर को विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के समने लुदास रोड पर किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'जल संरक्षण' होगा।

मेले के शुभारंभ अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र

मुख्यातिथि होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दिनों-दिन गिरते भूमिगत जलस्तर के संरक्षण के लिए केंद्र व राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। किसानों को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी के चलते इस बार किसान मेले को जल

संरक्षण थीम रखा गया है ताकि किसानों को जल की महता से अवगत करवाते हुए जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया जा सके।

उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते लगातार पिछले दो सालों से ऑफलाइन माध्यम से किसान मेले का आयोजन किया गया था। इस बार किसानों की मांग को संज्ञान में लेते हुए एवं केंद्र व राज्य सरकार की कोरोना महामारी को लेकर जारी हिदायतों का पालन करते हुए मेले को परंपरागत तरीके से ऑफलाइन आयोजित करने का फैसला लिया

गया है। मेले के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे।

मिट्टी पानी जांच व मौसम पूर्वानुमान के लिए करवा सकेंगे पंजीकरण

मेले के दौरान किसान मिट्टी पानी की जांच के अलावा मौसम पूर्वानुमान संबंधी पंजीकरण भी करवा सकेंगे ताकि किसानों को अपनी फसल के बेहतर उत्पादन में सहायक हो सके। मेले के लिए बैज्ञानिकों की टीम का पैनल बनाया गया है, जो किसानों की हर समस्या का समाधान बताएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

पांच बजे न्यूज

1.09.2021

10

8 व 9 सितंबर को विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने लुदास रोड पर होगा आयोजन

एचएयू 'जल संरक्षण' थीम पर आयोजित करेगा किसान मेला : प्रो. काम्बोज

पांच बातें लिखा

हिस्सा। योगी वरण सिंह ललितामण का विवरणमाने में इस बार अंकितनाम मध्यम से वे ले लिये। विवरणमाने के बाद आयोजन-आयोजन ३ व १० दिवारों को ललितामण के गोंद नंबर तीन के समान लुपत्रों द्वारा पढ़ किया गया। सेवने की उम्मीद विषय एवं सरकारी लाभ। भेजने के बृहत्प्रभ अवसर पर भारतीयों को अनुशासन परिचय के मरणोन्नतिकारक लुपत्र लियो। ललितामण मध्यम सुन्दरी ही लोगों विवरणमाने के क्रमानुसार अप्रैलमें आया। आज काम्हिक जे वाराणसि की दिनों-दिन रिपोर्ट भूमिका जगत्करन के संरक्षण के लिया करे वे जट लुपत्र संस्कार निरत प्रसारित होते।



इस बार किसान येले को जल संचयण थीम रखा गया है ताकि किसानों को जल की महाना से अवगत रखने के लिए जल संचयण की आधिकारी नामांकित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि कोरोना भारतीयों के चलते लगातार विदेशी द्वारा साझे से ऑपरेटर्स द्वारा यात्रा से किसान येले का आवश्यकता

संख्याएँ में लेने पूरे एक केंद्र व राज्य सरकार की कोरिनोंगा कार्यपालीका लेकर आया दिवारियां का पान बनवाते हुए उनकी को परस्परतावां से से अधिकारियों और अधिकारियों करने का फैसला यहा यहा हो गया है। जबकि के स्वतन्त्रतावांक अवधिकार के लिए विविध विभागों की ओर से इस तात्पुरता को अतिमान रूप दिया जा रहा है। इसमें दूसरे विविध विभागों के किसान विभाग की

पहले पांचों के आधार पर स्टाट आवृद्धि की जापानी में दौर के दौर विविधतावां के लाभान्व सभी विविधतावी की ओर से प्रदर्शन की जाएगी और उनकी से किसानों की विविधतावी विभागों और लाभकों की जापानी दी जाएगी। सबसे दूरी विविधतावी में अधिकारियों के लिया नारा जिसमें किसानों द्वारा कफल संघीय भूमिकाएँ को जो बड़ों से संबंधित कर सकते हैं।

सफल आयोजन के लिए कमेटियों का गठन
कियाने में से को सफल बनाने के लिए
विश्वविद्यालय की ओर से कमेटियों को गठन
मिट्टी पानी जाच व पौधम पूर्वानुमान
के लिए करता सकते हैं पंजीकरण
मेले के दौरान कियाने रखिए जाने वाले



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
युअर सिरसा न्यूज	1.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को मिलती है नई दिशा : काम्बोज



यूअर सिरसा न्यूज। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने किसानों से आङ्हन किया कि उन्हें अपनी आमदानी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा।

वे कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा में आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यातिथि ने कहा कि किसान वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है।

विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर

किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए नित नई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक कायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परंपरागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधीकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदानी बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए किसान उत्पादक समूह बनाकर काम करना होगा ताकि स्वयं की एक मार्केट स्थापित कर सीधे ग्राहकों से जुड़ा जा सके और अधिक लाभ हासिल किया जा सके। किसान दुध व उसके उत्पाद तैयार करने के अलावा गेहूं बाजरा व अन्य फसलों के उत्पाद बनाने का विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं और स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	1.09.2021	--	--

किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है: कुलपति

हिसार/01 सिंटेंबर/प्रियोंटर

किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदानी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़े। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं पिंडोंगी तब तक अन्दाजों का भला नहीं ही सकता। इसलिए इन तीनों में समंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अन्दाजों का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बताए मुख्यालियत बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों ने किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यालियत ने किसानों से आह्वान किया कि अपनी आमदानी में इजाफा करने के लिए किसानों को उत्पादों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने



वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढ़कर किसानों को घदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उन्होंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट सिरल है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कृषि वैज्ञानिक द्वारा विकसित की गई तकनीक का सही अंकलान के लिए किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यालियत ने कहा कि महिला व पुरुषों को कधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए।

विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठ सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। इस दौरान बीटी नरमा की उन्नत खेती पुस्तक का भी विमोचन किया गया। विद्यार्थी शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आत्मान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्याएं निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कोटनाशकों को लेकर की

गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान डॉ. अनिल यादव, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमल मलिक, डॉ. अनिल जाखड़ व डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास की फसल की अधिक पैदावार हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली सम्यक्रियाओं, बीमारियों व कीटों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में कुलपति के ओपेसडी डॉ. अनुल दींगड़, कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. देवेंद्र जाखड़, डॉ. सुरील बैनीचाल, डॉ. अनिल मेहता, डॉ. ओमप्रकाश कांवोज, डॉ. सुरील ढांडा आदि ने भी हिस्सा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एसकॉफी कांति सिरसा यूट्यूब चैनल	1.09.2021	--	--



#Dr #skpkranti #farmer

कृषि विज्ञान केन्द्र में हुई किसान गोष्ठी, मुख्यमंत्री कुलपति डॉक्टर वी.आर. कम्बोज़ | Dr. BR kamboj

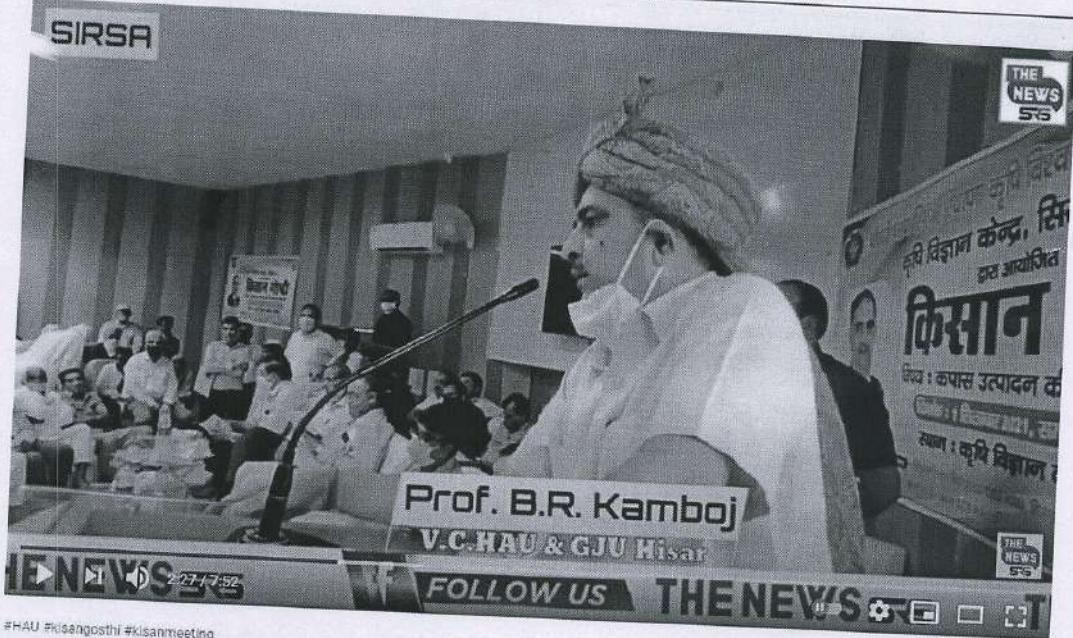
87 views • Sep 1, 2021

8 0 SHARE SAVE ...



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
द न्यूज सिरसा यूट्यूब चैनल	1.09.2021	--	--



#HAU #kisanmeeting
KISAN GOSTHI. किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक OR सरकार की सुविधा से होगा अननदाता का भल्ला. HAU.VC.
44 views • Sep 1, 2021

13 0 SHARE SAVE ...



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष सिरसा	1.09.2021	--	--

जल संरक्षण थीम पर होगा इस बार किसान मेला: प्रो. कांबोज

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. महापात्र होंगे मुख्यातिथि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इस बार ऑफलाइन माध्यम से दो दिवसीय किसान मेले का आयोजन आगामी 8 व 9 सितंबर को विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने लुदास रोड पर किया जाएगा। मेले का मुख्य विषय 'जल संरक्षण' होगा। मेले के शुभारंभ अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र मुख्यातिथि होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. कांबोज ने बताया कि दिनों-दिन गिरते भूमिगत जलस्तर के संरक्षण के लिए केंद्र व राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। किसानों को आधुनिक

तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी के बलते इस बार किसान मेले को जल संरक्षण थीम रखा गया है ताकि किसानों को जल को महत्ता से अवगत करवाते हुए जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया जा सके। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के बलते लगातार पिछले दो सालों से ऑनलाइन माध्यम से किसान मेले का आयोजन किया गया था। इस बार किसानों की मांग को संज्ञान में लेते हुए एवं केंद्र व राज्य सरकार की कोरोना महामारी को लेकर जारी हिदायतों का पालन करते हुए मेले को फरपरागत तरीके से ऑफलाइन आयोजित करने का

पैसला लिया गया है। मेले में देश

के विभिन्न राज्यों के किसान शामिल होंगे। काबिलेजिक्र है कि किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कमेटियों को गठन कर दिया गया है। साथ ही मेले में प्रदर्शनी लगाने के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा प्रदर्शनियों के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जा सके।

1919 Key's of Life

वर्तमान में रहना
बुद्धिमता का प्रतीक है।

-लॉयन इंद्र गोयल-



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
समरधोष सिरसा

दिनांक पृष्ठ संख्या
1.09.2021 --

कॉलम

किसान वैज्ञानिक सोच से बढ़ें आगे: कुलपति काबोज

हिसार। किसान फसलों की अधिक पैदावार हासिल करने व आमदनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सोच से आगे बढ़ें। आधुनिक तकनीकों और फसल विविधिकरण को अपनाकर अपनी आय में इजाफा भी करें। जब तक किसान का अनुभव, वैज्ञानिक की तकनीक और सरकार की सुविधा एक साथ नहीं मिलेंगी तब तक अवश्याता का भला नहीं हो सकता। इसलिए इन लीडों में सामंजस्य बनाना बहुत जरूरी है ताकि अवश्याता का भला हो सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जंगेश्वर हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काबोज ने कहे। वे कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित एक किसान गोष्ठी में बतौर मुख्यालिथ बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिथा निदेशालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। मुख्यालिथ ने किसानों से आह्वान किया कि

अपनी आमदनी में इजाफा करने के लिए किसानों को उपादानों के मूल्य संवर्धन के प्रति जागरूक होना होगा। उहोंने वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में आगे बढ़कर किसानों की मदद करने की अपील की ताकि किसानों का उत्थान हो सके। उहोंने कहा कि किसान व वैज्ञानिक का अटूट रिश्ता है और वे दोनों एक-दूसरे के प्रेरणाप्रदाता भी हैं। वैज्ञानिक द्वारा किसित की गई तकनीक का सही आकलन केवल किसान ही कर सकता है और उसी अनुसार उसमें संशोधन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के अनुभव से ही शोध कार्यों को एक नई दिशा मिलती है। मुख्यालिथ ने कहा कि महिला व पुरुषों को कधे से कधा मिलाकर चलना चाहिए। विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। युवा व किसान चुनौतियों में अवश्य खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। प्रदेश व केंद्र

सरकार किसानों के हित के लिए निर नहं कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि किसानों का अधिक से अधिक फायदा हो सके। इसके अलावा किसानों को भी अपनी फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परम्परागत खेती की बजाय समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा। साथ ही फसल विविधिकरण को अपनाना आज के समय की मांग है जिससे न केवल आमदनी बढ़ोगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा।

विस्तार शिथा निदेशक डॉ. रमनवास द्वांडा ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।